२०२१-२२
शास्त्री परीक्षा
खण्ड- प्रथम, अधिसत्र- प्रथम
विषय- पालि, पत्र- सप्तम

समयः ३½ घण्टे
पूर्णांक - ७०

निर्देशः एक पंक्ति में १० शब्द तथा प्रत्येक पृष्ठ में ८ पंक्तियों में लेखन अपेक्षित है ।

खण्ड-१

१. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

१०×२=२०

क. "तमहं ब्रूमि ब्राह्मणं"—ब्राह्मणवग्ग में आगत इस पद की व्याख्या करें।

अथवा

भिक्खुवग्ग में बुद्ध ने भिक्षुओं के लिए किन-किन कुशल धर्मों से युक्त रहने की प्रेरणा दी है?

ख. महासमुद्र के आठ गुणों की चर्चा करें।

अथवा

"एदिसो धम्मो, नेदिसो धम्मो; नेदिसो धम्मो, एदिसो ध म्मो"ति—बुद्ध के इस कथन की व्याख्या जच्चन्धवग्गो के आधार पर करें।

खण्ड-२

२. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखें—

५×३=१५

क- चित्त का वास्तविक स्वरूप
ख- मूर्ख की पहचान
ग- सील की सुगन्ध
घ- कोचञ्ञो अत्तना पियतरो
ङ- मिच्छापणिहितं चित्तं, पापियो नं ततो करे
च- अप्पमादो अमतं पदं

खण्ड-३

३-निम्नलिखित गाथाओं की सप्रसंग व्याख्या करे—

७.५×२=१५

क- बहुम्पि चे संहित भासमानो, न तक्करो होति नरो पमत्तो।
गोपोव गावो गणयं परेसं, न भागवा सामञ्ञस्स होति।।

अथवा

सुभानुपस्सिं विहरन्तं, इन्द्रियेसु असंवुतं।
भोजनम्हि चामत्तञ्ञुं, कुसीतं हीनवीरियं।
तं वे पसहति मारो, वातो रुक्खंव दुब्बलं।।

ख- पमादं अप्पमादेन, यदा नुदति पण्डितो।
पञ्ञापासादमारुय्ह, असोको सोकिनिं पजं।
पब्बतट्ठोव भूमट्ठे, धीरो बाले अवेक्खति।।

अथवा

असन्तं भावनमिच्छेय्य पुरेक्खारञ्च भिक्खुसु।

आवासेसु च इस्सरियं, पूजा परकुलेसु च।।

४- **निम्नलिखित का अनुवाद करें—**

१०

एवं मे सुतं एकं समयं भगवा कोसलेसु चारिकं चरति म हता भिक्खुसङ्घेन सद्धिं. अथ खो भगवा मग्गा ओक्कम्म येन अञ्ञतरं रुक्खमूलं तेन उपसङ्कमि; उपसङ्कमित्वा पञ्ञत्ते आसने निसीदि.अथ खो अञ्ञतरो गोपालको येन भगवा तेनुपसङ्कमि; उपस ङ्कमित्वा भगवन्तं अभिवादेत्वा एकमन्तं निसीदि. एकम न्तं निसिन्नं खो तं गोपालकं भगवा धम्मिया कथाय सन्द स्सेसि समादपेसि समुत्तेजेसि सम्पहंसेसि.अथ खो सो गोपालको भगवता धम्मिया कथाय सन्दस्सितो समादपि तोसमुत्तेजितो सम्पहंसितो भगवन्तं एतदवोच "अधिवासे तु मे, भन्ते, भगवा स्वातनाय भत्तं सद्धिं भिक्खुसङ्घेना"ति. अधिवासेसि भगवा तुण्हीभावेन. अथ खो सो गोपालको भगवतो अधिवासनं विदित्वा उट्ठायासना भगवन्तं अभि वादेत्वा पदक्खिणं कत्वा पक्कामि.

अथवा

क- वैर से वैर शान्त नहीं होता है।

ख- मन ही सभी धर्मों में अग्रणी है।

ग- वैसे ही गाँव में मुनि भिक्षाटन करें।

घ- इन सभी गन्धों में सील की गन्ध सर्वश्रेष्ठ है।

ङ- जागने वालों के लिए रात लम्बी होती है।

खण्ड-४

५. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक वाक्य मे अपेक्षित है। सभी के अंक समान है।

१×१० =१०

क- मघवा शब्द का क्या अर्थ है?

ख- रसमादाय शब्द का संधि विच्छेद करें।

ग- मनसा चे पदुट्ठेन— यहाँ मनसा में कौन सी विभत्ति है?

घ- पुत्ता मत्थि—का अनुवाद कीजिए।

ङ- "धम्मपद" किस निकाय का ग्रन्थ है?

च- "उदान" किस पिटक में सम्मिलित किया गया है ?

छ- उदान और थेरगाथा में क्या अन्तर है?

ज- "पालि" शब्द का सत्तमी एकवचन में रूप क्या होगा?

झ- खुद्दक निकाय में कितने ग्रन्थ हैं?

ञ- वे मार के बन्धन से मुक्त होते हैं — हिन्दी में अनुवाद करें।

****